

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II--लण्ड 3---उपलण्ड (i)

PART II-Section 3-Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 238] No. 238] नई विल्ली, बुबबार, सितम्बर 13, 1972/भात्र 22, 1894

NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 13, 1972/BHADRA 22, 1894

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF LABOUR AND REHABILITATION

(Department of Labour and Employment)

NOTIFICATION

New Delhi, the 13th September 1972

G.S.R. 410(E).—Where certain draft rules further to amend the Industrial Disputes (Central) Rules, 1957, were published as required by sub-section (1) of section 38 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), at pages 881 to 883 of the Gazette of India Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-Section (i), dated the 13th July, 1972, under the notification of the Government of India in the Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment), No. G.S.R. 340(E), dated the 13th July, 1972, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby for a period of thirty days from the date of publication of the said notification in the Gazette;

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 2nd August, 1972;

And whereas no objections and suggestions have been received from the public on the said draft;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 38 of the said Act, the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Industrial Disputes (Central) Rules, 1957, namely:—

- 1. These rules may be called the Industrial Disputes (Central) Second Amendment Rules, 1972.
- 2. In the Industrial Disputes (Central) Rules, 1957, (i) for rule 76, the following rule shall be substituted, namely:—
 - "76. Notice of retrenchment.—If any employer desires to retrench any workman employed in his industrial establishment who has been in continuous service for not less than one year under him (hereinafter referred to as 'workman' in this rule and in rules 77 and 78), he shall give notice of such retrenchment as in Form P to the Central Government, the Regional Labour Commissioner (Central) and Assistant Labour Commissioner (Central) and the Employment Exchange concerned and such notice shall be served on that Government, the Regional Labour Commissioner (Central), the Assistant Labour Commissioner (Central), and the Employment Exchange concerned, by registered post in the following manner:—
 - (a) where notice is given to the workman, notice of retrenchment shall be sent within three days from the date on which notice is given to the workman;
 - (b) where no notice is given to the workman and he is paid one month's wages in lieu thereof, notice of retrenchment shall be sent within three days from the date on which such wages are paid; and
 - (c) where retrenchment is carried out under an agreement which specifies a date for the termination of service, notice of retrenchment shall be sent so as to reach the Central Government, the Regional Labour Commissioner, (Central), the Assistant Labour Commissioner (Central), and the Employment Exchange concerned, at least one month before such date:

Provided that if the date of termination of service agreed upon is within 30 days of the agreement, the notice of retrenchment shall be sent to the Central Government the Regional Labour Commissioner (Central), the Assistant Labour Commissioner (Central), and the Employment Exchange concerned, within 3 days of the agreement.

- 76A. Notice of closure.—If an employer intends to close down an undertaking, he shall give notice of such closure in Form Q to the Central Government, the Regional Labour Commissioner (Central), the Assistant Labour Commissioner (Central), and the Employment Exchange concerned, by registered posts";
- (ii) in the Schedule,—

/L\	A 44	TT	ъ	41	following	E	-111	1 -		
(0)	Arrer	r vriii	ъ,	tire	TOTIONITIE	T OTIL	Stratt	ΝĊ	maerteu,	TIGITIET'A '

"FORM Q

(See rule 76A)

Form of notice of closure to be given by an empl the Industrial Disputes Act, 1947.	oyer under section 25FFA of
Name of employer	īress
Dated theday of1	9
То	
The Secretary to the Government of India. Department of Labour and Employment, New Delhi.	
Sir.	
Under section 25 FFA of the Industrial Disputes hereby inform you that I/We have decided to close dow (name of the undertaking) with effect form	vnfor the orkmen whose services would
	Yours faithfully, ***
**(Here insert the position which the person who semployer issuing this letter).	algns this letter holds with the
Annexure.	
Statement of reasons	
Copy to:—	
(1) The Regional Labour Commissioner (Central))
(2) The Assistant Labour Commissioner (Central))
(3) The Employment Exchange	.*
*(here enter the office address of the Regional La Assistant Labour Commissioner (Central) and the F local area concerned.)".	

[No. F.S.65012/6/71-LR.I.]

S. S. SAHASRANAMAN, Under Secy.

श्रम ग्रौर पुनर्वास मंत्रालय

(श्रम भ्रौर रोजगार विभाग)

ग्रधिसूचना

नई दिल्ली, 13 मितम्बर, 1972

सा० का० नि० 410 (ग्र).—यतः श्रौद्योगिक विवाद (केन्द्रीय) नियम, 1957 में भौर श्रागे संगोधन करने के लिये कितप्य प्रारूप नियम श्रौद्योगिक विवाद श्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 38 की उपधारा (1) द्वारा यथापेक्षित भारत के राजपत्र भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (i), तारीख 13 जुलाई, 1972 के पृष्ठ 881 से 883 पर भारत सरकार के श्रम श्रौर पुनर्वास मंत्रालय (श्रम श्रौर रोजगार विभाग) की श्रधिसूचना सं० सा० का० नि० 340(ड), तारीख 13 जुलाई, 1972 के श्रन्तर्गत उनसे सम्भाव्यतः प्रभावी होने वाले सभी व्यक्तियों से उक्त श्रधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 30 दिन की श्रवधि में श्राक्षेप या सुझाव श्रामंत्रित करते हुथे, प्रकाशित किये गये छे ;

भीर यतः उक्त राजपत्न जनता को 2 भ्रगस्त, 1972 को उपलब्ध करा दिया गया था ; भीर यतः उक्त प्रारूप पर जनता से कोई म्राक्षेप भीर सुक्षाव प्राप्त नहीं हुये हैं ;

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 38 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार श्रौद्योगिक विवाद (केन्द्रीय) नियम, 1957 में श्रौर आगे संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाती है, श्रर्थात् :---

- इन नियमों का नाम श्रौद्योगिक विवाद (केन्द्रीय) द्वितीय संशोधन नियम, 1972
 हैं ।
 - श्रौद्योगिक विवाद (केन्द्रीय) नियम, 1967 में,
 - (1) नियम 76 के स्थान पर निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, ग्रर्थात् :---"76. छंटनी की सूचना :---

यदि कोई नियोजक प्रपने श्रौद्योगिक संस्थान में नियोजित किसी ऐसे कर्मकार की छंटनी करना चाहतः है जो कि उसके श्रधीन एक वर्ष से श्रन्यून तक लगातार सेवा में रहा है (जिसे इस नियम में श्रौर नियम 77 श्रौर 78 में इसके पण्चात् "कर्मकार" कहा गया है), वह ऐसी छंटनी की सूचना प्ररूप 'त' में केन्द्रीय सरकार, प्रादेशिक श्रम ग्रायुक्त (केन्द्रीय), सहायक श्रम श्रायुक्त (केन्द्रीय) तथा सम्बन्धित रोजगार कार्यालय को देगा श्रौर ऐसी सूचना उस सरकार को, प्रादेशिक श्रम ग्रायुक्त (केन्द्रीय), सहायक श्रम ग्रायुक्त (केन्द्रीय), सहायक श्रम ग्रायुक्त (केन्द्रीय) तथा सम्बन्धित रोजगार कार्यालय को रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा निम्नलिखित रीति से तामील को जाएगी:—

(क) जहां कि कर्मेकार को सूचना दी जाती हैं, वहां छंटनी की सूचना उस तारीख से तीन दिन के भीतर भेजी आयेगी जिसको कि कर्मकार को सूचना दी गई हो।

- (ख) जहां कि कर्नकार को कोई सूचना नहीं दो जाती है श्रीर उसके बदले में उसे एक मास की मजदूरी दी जाती है वहां, छंटनी की सूचना उस तारीख में तीन दिन के भीतर जी जायेगी जिसको कि ऐसी मजदूरी दी गई है, श्रीर
- (ग) जहां कि छंटनी किसी ऐसे करार के प्रधीन कार्यान्वित की जाती है जो कि सेवा के पर्यवमान के लिये कोई तारीख विनिर्दिष्ट करता है वहां छंटनी की सूचना इस प्रकार भेजी जायेगी कि वह केन्द्रीय सरकार, प्रादेशिक श्रम श्रायुक्त (केन्द्रीय), सहायक श्रम श्रायुक्त (केन्द्रीय) तथा सम्बन्धित रोजगार कार्यालय को उस तारीख से कम से कम एक मास पूर्व पहुंच जायें:

परन्तु यदि सेवा के पर्यवसान की वह तारीख जिस पर सहमति हुई है करार के तीस दिन के भीतर पड़ती है तो छंटनी की सूचना केन्द्रीय सरकार, प्रादेशिक श्रम श्रायुक्त (केन्द्रीय), सहायक श्रम ग्रायक्त (केन्द्रीय) तथा सम्बन्धित रोजगार कार्यालय को करार के तीन दिन के भीतर भेजी जाएगी

76क. बन्द करने की सूचना :---

यदि कोई नियोजक किसी उपक्रम को बन्द करना चाहता है तो वह ऐसे बन्द करने की सूचना प्ररूप "थ" में केन्द्रीय सरकार, प्रादेशिक श्रम श्रायुक्त (केन्द्रीय), सहायक श्रम श्रायुक्त (केन्द्रीय) तथा सम्बन्धित रोजगार कार्यालय को रजिस्ट्री-कृत डाक द्वारा देगा।"

- (11) श्रनुसूची में,---
 - (क) प्ररूप त में, उपाबन्ध में,
 - "(2) प्रादेशिक श्रम श्रायुक्त (केन्द्रीय),.... परिक्षेत्र" प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित प्रविष्टि ग्रन्तःस्थापित की जाएगी, ग्रर्थात् :---
 - "(3) रोजगार श्रिधकारी, रोजगार कार्यालय,....(सम्बन्धित रोजगार कार्यालय का पूरा पता लिखें)"।
- (ख) प्ररूप त के पश्चात निम्नलिखित प्ररूप ग्रन्त:स्थापित किया जाएगा, ग्रथीतु :---

प्ररूप थ

(नियम 76क देखिये)

	ग्रौ द्योगिक	विवाद	म्रधिनियम,	1947 की	धारा	25	चचक	के	प्रधीन	नियोजकों	ग्नारा	बस्द
किये	जाने की सूच	ानाका	प्ररूप ।									

	। तथाजकका	नाम	 ٠.	• •	• •	 • •	 •	• •	•	• •	٠	• •	٠	• •	٠	• •	•	•	• •	٠	•	• •	٠	٠.	•
पता			 			 				٠.						. ,							•		
नारीख				19				के												fè					

	~
स्रवा	1
1171	η,

.सिम्बर, भारत सरकार, श्रम श्रौर रोजगार विभाग नर्ष दिल्ली ।

महीदय,

भवदीय :

यहां उस ब्यक्ति का जो पन्न पर हस्ताक्षर, करता है, वह पद भरें जो वह पन्न जारी करने वाले नियोजक के पास धारण करता है)।

उपाबन्ध

कारणों का विवरण

सेवा में	
(1) प्रादेशिक श्रम श्रायुक्त (केन्द्रीय) †	
(2) सहायक श्रम भ्रायुक्त (केन्द्रीय) †	
(3) रोजगार कार्यालय,	

†(यहां प्रादेशिक श्रम ध्रायुक्त (केन्द्रीय)/सहायक श्रम ध्रायुक्त (केन्द्रीय) तथा सम्बन्धित स्थानीय क्षेत्र रोजगार कार्यालय का कार्यालय पता लिखें)।

[सं॰ एफ॰ एस॰ 65012/6/71--एल॰ आर॰-1]

एस० एम० सहस्रनामन, प्रवर सचिव।